DR. ZAHIR ISHAQ KAZI

Dr. Zahir Ishaq Kazi is the President of Anjuman-I-Islam, the largest minorities' educational conglomerate in the nation established in 1874. He is a distinguished figure renowned for his exceptional contributions to education, literature, and the medical field.

2. Born on January 26, 1954, Dr. Kazi earned an MBBS degree from Goa Medical College (University of Mumbai) and later completed his Post Graduate MD in Radiology & DMRD from Topiwalla Medical College and Nair Hospital in Mumbai. He further honed his expertise through fellowship programs at F.M.R.I. - University of Pennsylvania, Philadelphia, U.S.A., and M.A.I.U.M. - Preceptor Ultrasound - Thomas Jefferson University, Philadelphia, U.S.A. He has been associated with prestigious hospitals in Mumbai, including Bombay Hospital and Hinduja Hospital. He also served as the Radiologist at King Fahad Hospital in Medinah, Kingdom of Saudi Arabia, under the Ministry of Health.

3. Dr. Kazi's transformative 30-year journey with Anjuman-I-Islam began in the General Council, leading to key roles such as Chairman of Tibbia Medical College and Hospital and a three-and-a-half-year stint as Honorary General Secretary. During his tenure as President, Anjuman-I-Islam has made tremendous growth in various forms by expansion, consolidation and most importantly excellence. During his tenure, new institutions were added, new courses in existing institutions and increase in intake of existing institutions took place. He was instrumental in motivating all institutions to get accreditation by authorities. Through his vision, he transformed the two Orphanages for Women, one at Versova, Andheri, Mumbai and second at Bund Garden, Pune into a 'A" Grade Home for Women in sync with the Juvenile Justice Act. His initiatives of appointing over 85% women as Heads of institutions, culminating in to empowerment of women in its truest form. As President for the past 15 years, his visionary leadership fueled the institution's recognition as a national and international brand. He ensured financial stability, streamlined processes, established overseas entities in the USA and the UK (Overseas Friends of Anjuman - OFA), and forged collaborations with prestigious foreign universities like Massachusetts Institute of Technology (MIT), USA, and the University of Westminster, UK.

4. Dr. Kazi has an illustrious track record, holding esteemed positions on various committees for the States of Maharashtra and Goa, as well as the Government of India. He has served as the Chairman of the National Monitoring Committee of Minority Education and led the Sub-Committee overseeing the implementation of Minority Schemes for the Ministry of Education, Government of India. He also contributes significantly as a Member of the Minority Education Development Committee for the Government of Maharashtra. He continues to contribute significantly to the educational and social landscape, serving as the Chairman of the Shurparka Educational & Medical Trust in Mumbai, Chairman of the IDEAL Education Trust in Thane, and as a distinguished member of the Goa Vidhya Prasark Mandal in Goa. He was elected as the member of the Senate of University of Mumbai in the Management category.

5. Dr. Kazi has been awarded with various National and International Awards to his accolade. He was bestowed with "Life Time Achievement Award" by the Ministry of AYUSH, Government of India for his significant role in the field of Indian System of Medical Education. Giants International awarded and honoured him for his exemplary work in Education in 2015. Aligarh Muslim University honoured him with Sir Syed Excellence National Award in 2020.

डॉ. ज़हीर इसहाक़ काज़ी

डॉ. ज़हीर इसहाक़ काज़ी 1874 में स्थापित देश के सबसे बड़े अल्पसंख्यक शैक्षिक समूह अंजुमन–ए–इस्लाम के अध्यक्ष हैं। वह एक असाधारण शख्सीयत हैं जो शिक्षा, साहित्य और चिकित्सा के क्षेत्र में अपने असाधारण योगदान के लिए जाने जाते हैं।

2. 26 जनवरी, 1954 को जन्मे डॉ. काज़ी ने गोवा मेडिकल कॉलेज (मुंबई विश्वविद्यालय) से एमबीबीएस की डिग्री हासिल की और बाद में मुंबई के टोपीवाला मेडिकल कॉलेज और नायर अस्पताल से रेडियोलॉजी और डीएमआरडी में पोस्ट ग्रेजुएट एमडी पूरा किया। उन्होंने एफएमआरआई – पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय, फिलाडेल्फिया, यूएसए और एमएआइयूएम – प्रीसेप्टर अल्ट्रासाउंड – थॉमस जेफरसन यूनिवर्सिटी, फिलाडेल्फिया, यूएसए में फेलोशिप कार्यक्रमों से अपनी विशेषज्ञता को और निखारा। वह बॉम्बे हॉस्पिटल और हिंदुजा हॉस्पिटल सहित मुंबई के प्रतिष्ठित अस्पतालों से जुड़े रहे हैं। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत सऊदी अरब के मदीना के किंग फहद अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट के रूप में भी काम किया।

3. अंजुमन–ए–इस्लाम के साथ डॉ. काज़ी की 30 साल की परिवर्तनकारी यात्रा जनरल काउंसिल से शुरू हुई, जिसमें उन्हें तिब्बिया मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के चेयरमैन और साढ़े तीन साल तक मानद महासचिव जैसी महत्वपूर्ण भूमिकाएं मिलीं। अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान, अंजुमन–ए–इस्लाम ने भरपूर विकास किया है जो उसके विस्तार, मजबूती और सबसे महत्वपूर्ण उत्कृष्टता में नज़र आया है। उनके कार्यकाल के दौरान, नए संस्थान शुरू हुए, मौजूदा संस्थानों में नए पाठ्यक्रम जुड़े और पहले से मौजूद संस्थानों में छात्रों की संख्या बढ़ाई गई। उन्होंने सभी संस्थानों को प्राधिकरणों से मान्यता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करने में अहम भूमिका निभाई। अपनी दूरदर्शिता से, उन्होंने वर्सोवा, अंधेरी, मुंबई और बुंद गार्डन, पुणे स्थित महिलाओं के लिए दो अनाथालयों को, किशोर न्याय अधिनियम के अनुरूप महिलाओं के लिए 'ए' ग्रेड होम में बदल दिया। 85% से अधिक महिलाओं को संस्थान प्रमुखों के रूप में नियुक्त करने की उनकी पहल, महिलाओं के सशक्तीकरण का सच्चा प्रतीक है। पिछले 15 वर्ष में अध्यक्ष के रूप में उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने संस्थान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड के रूप में पहचान दिलाई। उन्होंने वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित की, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया, संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन में विदेशी संस्थाओं की स्थापना की (ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ अंजुमन – ओएफए), और मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी), यूएसए और वेस्टमिंस्टर विश्वविद्यालय, यूके जैसे प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ काम किया।

4. डॉ. काज़ी का शानदार ट्रैक रिकॉर्ड रहा है, और वह महाराष्ट्र और गोवा राज्यों के साथ–साथ भारत सरकार की विभिन्न समितियों में प्रतिष्ठित पदों पर रहे हैं। उन्होंने अल्पसंख्यक शिक्षा की राष्ट्रीय निगरानी समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है और भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के लिए अल्पसंख्यक योजनाओं के कार्यान्वयन की देखरेख करने वाली उप–समिति का नेतृत्व किया है। वह महाराष्ट्र सरकार की अल्पसंख्यक शिक्षा विकास समिति के सदस्य के रूप में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने मुंबई में शूर्पारका एजुकेशनल एंड मेडिकल ट्रस्ट के अध्यक्ष, ठाणे में आई डी ई ए एल एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष और गोवा में गोवा विद्या प्रसारक मंडल के एक प्रतिष्ठित सदस्य के रूप में शैक्षिक और सामाजिक परिदृश्य में अहम योगदान दिया है। उन्हें प्रबंधन श्रेणी में मुंबई विश्वविद्यालय के सीनेट का सदस्य चुना गया।

5. डॉ. काज़ी को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। भारतीय चिकित्सा शिक्षा प्रणाली के क्षेत्र में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने उन्हें "लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड" प्रदान किया। 2015 में जायंट्स इंटरनेशनल ने शिक्षा के क्षेत्र में उनके अनुकरणीय कार्य के लिए उन्हें सम्मानित किया। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय ने 2020 में उन्हें सर सैयद एक्सीलेंस नेशनल अवार्ड प्रदान किया।